भारत सरकार
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1395
जिसका उत्तर 4 दिसंबर, 2024 को दिया जाना है ।
13 अग्रहायण , 1946 (शक)

ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना

1395.श्री धर्मवीर सिंह:

क्या **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने ग्रामीण और अल्पसेवित क्षेत्रों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए कदम उठाए हैं;
(ख) यदि हां, तो लाभार्थियों की संख्या सहित तत्संबंधी राज्य/संघ राज्यक्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;
(ग) ग्रामीण क्षेत्रों में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) निवेश को आकर्षित करने के लिए क्या पहल की गई है;
(घ) क्या एआई और ब्लॉकचैन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों में विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) भिवानी-महेंद्रगढ़ में आईटी प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित करने के लिए क्या कदम उठाए जाने का विचार है?

उत्तर
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)

(क) से (ङ):ग्रामीणभारतमेंडिजिटलसाक्षरताकोबढ़ावादेनेकेलिएभारतसरकारद्वाराप्रधानमंत्रीग्रामीणडिजिटलसाक्षरताअभियान (पीएमजीदिशा) शुरूकियागयाथा। इसकाउद्देश्यदेशभरमें 6 करोड़ग्रामीणपरिवारों (प्रतिपरिवारएकव्यक्ति) तकपहुंचनाथा। यहयोजनासमाप्तहोचुकीहै। इसके तहत 31 मार्च, 2024 तकतय की गए लक्ष्य 6 करोड़की तुलना में देशभरमें 6.39 करोड़व्यक्तियोंकोप्रशिक्षितकियागया। राज्य/संघराज्यक्षेत्र-वारउपलब्धि**अनुबंध**मेंदीगईहै ।

एमईआईटीवाई,भारत सरकार नेप्रतिसीट ₹1 लाखतककीवित्तीयसहायतादेकर छोटेशहरोंमेंरोजगारसृजनऔरआईटी/आईटीईएस कोबढ़ावादेनेकेलिएभारतबीपीओ संवर्धनयोजना (आईबीपीएस) औरपूर्वोत्तरबीपीओ संवर्धनयोजना (एनईबीपीएस) शुरूकीहै। इनयोजनाओंमेंस्थानीयउद्यमियोंकोबढ़ावादेनेऔरराज्यों/संघराज्यक्षेत्रोंमेंसंचालितदेशभरमेंबीपीओ/आईटीईएस इकाइयोंकेमाध्यमसेमहिलाओंऔरदिव्यांग व्यक्तियोंकोकामपररखनेकेलिएप्रोत्साहनभीदियाजाताहै।

भारतदुनियाकीआईटीकौशलराजधानीहै। स्टैनफोर्डयूनिवर्सिटीने 42 संकेतकोंकेआधारपरवैश्विकऔरराष्ट्रीयएआईवाइब्रेंसीरैंकिंगमेंअमेरिका, ब्रिटेनऔरचीनकेसाथभारतकोशीर्ष 4 मेंस्थानदियाहै।
भारतसरकारयहसुनिश्चितकरनेकेलिएकदमउठारहीहैकिहमआईटीकौशलमेंअपनीबढ़तबनाएरखें।
एमईआईटीवाई नेनेशनलएसोसिएशनऑफसॉफ्टवेयरएंडसर्विसकंपनीज (नैसकॉम) केसाथसयुंक्त रूप से " फ्यूचरस्किल्सप्राइम" नामकएककार्यक्रमशुरूकियाहै , जिसकाउद्देश्यनई/उभरतीप्रौद्योगिकियोंअर्थात ब्लॉकचेन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिकप्रोसेसऑटोमेशन, ऑगमेंटेड/वर्चुअलरियलिटी, इंटरनेटऑफथिंग्स, बिगडेटाएनालिटिक्स, एडिटिवमैन्युफैक्चरिंग/3डीप्रिंटिंग, क्लाउडकंप्यूटिंग, सोशलएंडमोबाइलऔरसाइबरसुरक्षा मेंउम्मीदवारोंका पुन:कौशलन /कौशल उन्नयन करनाहै।

इसकेअलावा, इंडियाएआईमिशनकेइंडियाएआईफ्यूचरस्किल्स के तहत, सभीअखिलभारतीयतकनीकीशिक्षापरिषद (एआईसीटीई) सेमान्यताप्राप्तइंजीनियरिंगसंस्थानोंकेबी.टेकऔरएम.टेकछात्रोंकोइंडियाएआईफेलोशिपप्रदानकीजातीहै।

हरियाणा के भिवानी-महेंद्रगढ़जिलोंसहितपूरेदेशभर मेंपीएमजीदिशायोजनाकेतहतआईटीप्रशिक्षणकेंद्रस्थापितकिएगएथे। विवरणनीचेदिया गया है:

ज़िला	प्रशिक्षण केंद्र	पंजीकृत उम्मीदवार	प्रशिक्षित उम्मीदवार
भिवानी	858	86,167	72,171

महेंद्रगढ़	683	54,230	43,081

****

अनुबंध

पीएमजीदिशायोजनाकेअंतर्गतराज्य/संघराज्यक्षेत्रवारउपलब्धियां

क्रमसं.	राज्यकानाम	पंजीकृतउम्मीदवार	प्रशिक्षितउम्मीदवार
1	अंडमान व निकोबारद्वीपसमूह	5,564	2,931
2	आंध्रप्रदेश	23,01,731	19,17,452
3	अरुणाचलप्रदेश	14,949	11,615
4	असम	27,21,585	23,60,195
5	बिहार	82,40,606	74,12,740
6	छत्तीसगढ	24,86,455	21,37,064
7	दादरऔरनगरहवेलीऔरदमनऔरदीव	20,522	18,029
8	गोवा	58,569	53,784
9	गुजरात	30,31,310	26,83,286
10	हरियाणा	18,57,815	15,77,109
11	हिमाचलप्रदेश	6,61,922	5,32,976
12	जम्मूऔरकश्मीर	8,70,451	7,06,991
13	झारखंड	27,52,731	22,86,356
14	कर्नाटक	29,64,726	24,40,957
15	केरल	1,77,165	1,18,132
16	लद्दाख	24,785	22,122
17	लक्षद्वीप	142	35
18	मध्यप्रदेश	56,92,467	50,69,449
19	महाराष्ट्र	61,23,970	53,23,817
20	मणिपुर	28,397	18,286
21	मेघालय	1,52,783	1,06,063
22	मिजोरम	30,317	23,125
23	नागालैंड	11,990	8,968
24	ओडिशा	36,16,441	30,86,143
25	पुदुचेरी	22,079	15,801
26	पंजाब	17,46,448	15,14,820
27	राजस्थान	45,06,184	39,70,690
28	सिक्किम	27,035	23,122
29	तमिलनाडु	17,04,537	14,07,880
30	तेलंगाना	14,56,226	12,10,448
३१	त्रिपुरा	3,25,000	2,64,186
32	उत्तर प्रदेश	1,63,14,369	1,45,48,273
33	उत्तराखंड	7,85,978	6,73,306
34	पश्चिमबंगाल	28,36,714	23,95,565
कुल		**7,35,71,963**	**6,39,41,716**

***चंडीगढ़औरदिल्लीशहरीक्षेत्रमेंहैं, इसलिएइसयोजनाकेअंतर्गतशामिलनहींकिए गएहैं।**

****